बातचीत

नं. 05/2018 www.indianarmy.gov.in | मई 2018

आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी

अगली पीढ़ी के विकास को अग्रसर

युद्ध स्मारक

(देश भर में सेवा के दौरान अपने जीवन का बलिदान करने वाले हमारी सेना के जवानों को स्मरण रखने हेतु युद्ध की स्मृतियों को संजोती एक श्रृंखला)

चंडीगढ़ युद्ध स्मारक

चंडीगढ़ युद्ध स्मारक देशभर में सबसे बड़ा स्मारक है। इसमें 1947 से शहीद हुए थलसेना, वायुसेना और जलसेना के 8459 जवानों के नाम को संजोकर रखा गया है। खूबसूरत बोगनबेलिया के फूलों से सुसज्जित इस बगीचे का उद्घाटन माननीय राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने 17 अगस्त 2006 को किया था।

जसवंत गढ़ युद्ध स्मारक

मंदिर की आकृति वाला जसवंत गढ़ युद्ध स्मारक अरुणाचल प्रदेश में स्थित है जो मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित राइफलमैन जसवंत सिंह रावत को समर्पित है। पीपल्स लिबरेशन आर्मी ने तिब्बत के स्वायत्त क्षेत्र में दिवंगत वीर सैनिक को सम्मानित करने के लिए कांसे के वक्ष का निर्माण किया और भारत को भेंट किया। यह वक्ष युद्ध स्थल पर स्थापित है। युद्ध स्थल पर निर्मित इस युद्ध स्मारक को जसवंत गढ़ के नाम से जाना जाता है। यहां पर युद्ध नायक की तस्वीर, यूनिफार्म, टोपी, घड़ी और बेल्ट का प्रदर्शन किया गया है।

बातचीत

संपादक की कलम से

शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे किसी भी व्यक्ति की सोच को गहराई और विश्लेषण से अलंकृत किया जा सकता है। सच्ची शिक्षा का उद्देश्य बुद्धि और व्यक्तित्व का विकास है। बातचीत का यह संस्करण आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी को समर्पित है। इस सोसाइटी ने भारतीय सेना के जवानों के बच्चों तक गुणात्मक शिक्षा को पहुंचाने का दायित्व उठाया है। इस संस्करण की मुख्य विषय-वस्तु कालेज और दाखिला संबंधी प्रक्रिया है।

भारतीय सशस्त्र सेना के सर्वोच्च अधिकारी एवं भारत के राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ कोविंद ने विश्व के सबसे ऊंचाई पर स्थित युद्धस्थल सियाचिन ग्लेशियर का दौरा किया था, जिसे इस बार हमने सुर्खियों में शामिल किया है।

मित्र देशों के साथ रक्षा सहयोग के संयुक्त प्रयास का स्तर इस माह और बेहतर हुआ है जिसे हमने संक्षेप में प्रकाशित किया है।

हम अपने पाठकों से आग्रह करते हैं कि इस पत्रिका के लिए अच्छी गुणवत्ता और हाई रिजोल्यूशन से युक्त तस्वीरों के साथ 40 से 60 शब्दों का आलेख हमें प्रत्येक माह की 25 तारीख से पहले भेज दें। प्रकाशन योग्य सामग्री ईमेल/ अवान से भेजें।

'द एयर कैवेलरी' परिकल्पना का प्रथम प्रयास एक्स. विजय प्रहार के दौरान सप्त शक्ति कमांड में किया गया।

इस अंक में...

युद्ध स्मारक 02
थलसेनाध्यक्ष पृष्ठ 04
सुर्खियों में 05
झलकियाँ 06
आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी 08
पूर्व सैनिक डायरी 11
जम्मू कश्मीर डायरी 12
उत्तर-पूर्व डायरी 13
खेलकूद और रोमांच 14
सैन्य समारोह 15

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

Publisher	:	Additional directorate General Public Information, IHQ of MOD (Army)
Office		B-30, South Block, New Delhi-110011 Tele: Off-23018867, 33332
Indian Army Website	:	www.indianarmy.nic.in or www.indianarmy.gov.in
Facebook	:	www.facebook.com/indianarmy.adgpi
Twitter	:	www.twitter.com/adgpi
GSO1 (Pub)		
Editor Baatcheet Email	:	editorbaatcheet@gmail.com
ADG PI	:	adg-adgpi@nic.in
DDGPI	:	ddg-adgpi@nic.in
Director (IO)	:	directorioadgpi@gmail.com
Dir Media	:	dir4media@gmail.com
Social Media	:	socialmedia.adgpi@gmail.com
Webmaster IA	:	webmaster.indianarmy@nic.in
Contact No.	:	011-23018867, 33332 (ASCON)

थलसेनाध्यक्ष पृष्ठ

जनरल बिपिन रावत, सी.ओ.ए.एस., 29 एवं 30 अप्रैल 2018 को लैंड्सडाउन कैंट में अपने भ्रमण के दौरान दिव्यांग सैनिकों को सम्मानित करने के बाद बातचीत करते हुए।

भारतीय सशस्त्र सेना प्रमुख ने 25 एवं 26 अप्रैल 2018 को सदर्न कमांड के मुख्यालय का भ्रमण किया।

थल सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, 07 मई 2018 को बांग्लादेश के आर्म्ड फोर्स डिवीजन के प्रिसिपल स्टाफ आफिसर, लेफिटनेंट जनरल मोहम्मद महाफुजुर रहमान को इंडियन आर्मी कॉफी टेबल बुक भेंट करते हुए।

जनरल बिपिन रावत, सी.ओ.ए.एस. ने 18 मई 2018 को श्रीलंका के राष्ट्रपति महामहिम मैत्रिपाला सिरीसेना से मुलाकात की।

जनरल बिपिन रावत, सी.ओ.ए.एस. ने 25 मई 2018 को आर्मी गुडविल पब्लिक स्कूल, पहलगाम में डिजीटल एजुकेशन प्रोग्राम का उद्घाटन किया।

26 मई 2018 को थल सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत लखनऊ में केंद्रीय कमान के जनरल आफिसर इंचार्ज लेफिटनेंट जनरल बी.एस. नेगी के साथ।

सुर्खियों में

माननीय राष्ट्रपति ने सियाचीन ग्लेशियर का दौरा किया

भारतीय सशस्त्र सेना के सर्वोच्च अधिकारी एवं भारत के राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ कोविंद 10 मई 2018 को विश्व के सबसे ऊंचाई पर स्थित युद्धस्थल सियाचिन ग्लेशियर का मुआयना करने के लिए पहुंचे। उनके साथ थल सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत और नार्दर्न कमान के जीओसी-इन-सी लेफिटनेंट जनरल डी. अन्बू भी मौजूद थे। माननीय राष्ट्रपति ने सियाचिन ग्लेशियर का हवाई दौरा किया और बेस कैंप पर उपस्थित सैनिकों को संबोधित किया। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपने फर्ज का निर्वहन करने वाले सैनिकों के जज़्बे को सलाम किया। ये सैनिक राष्ट्र के लिए किसी गौरव से कम नहीं है।

माननीय रक्षा राज्य मंत्री लखनऊ पहुंचे

माननीय रक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष भाम्रे पिछले दिनों लखनऊ भ्रमण पर पहुंचे। अपने भ्रमण के दौरान डॉ. भाम्रे केंद्रीय कमान पहुंचे जहां पर जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ ने अपने कमान की कार्यशैली और अन्य आवश्यक बातों के बारे में समूची जानकारी दी। डॉ. सुभाष भाम्रे ने कमान की क्षमता, तैयारी और कार्यशैली पर विश्वास और प्रसन्नता व्यक्त की।

लेफिटनेंट जनरल डी. अन्बू ने उप सेनाप्रमुख का पदभार ग्रहण किया

लेफिटनेंट जनरल डी. अंबू ने 01 जून 2018 को उप थलसेना प्रमुख का कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने 07 जून 1980 को सिख लाइट इनफेंटरी में अपनी नियुक्ति के साथ अपने सफर की शुरुआत की। उन्होंने आर्मी वार कॉलेज, महू से, डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज एवं हायर कमान का कोर्स किया। नेशनल डिफेंस कॉलेज के बराबरी का कोर्स इंडोनेशिया, जकार्ता से किया। लेफिटनेंट जनरल अंबू ने सियाचिन ग्लेशियर, काउंटर इनसरजेंसी और जम्मू-कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व में आतंकवादी अभियान के खिलाफ सफल अभियान का नेतृत्व किया। उन्होंने इस तरह के अनेक अभियानों में सफलता प्राप्त कर अपना अनुभव बढ़ाया। उन्होंने श्रीलंका में आपरेशन पवन में भी सफलता प्राप्त की। अपने 37 साल के यशस्वी कार्यकाल के दौरान लेफिटनेंट जनरल अंबू ने अनेक महत्वपूर्ण कमान, स्टाफ तथा इंस्ट्रक्शनल नियुक्तियां हासिल की। उन्होंने सिक्किम में लाइन ऑफ कंट्रोल पर आपरेशन पराक्रम में अपने यूनिट का सफल नेतृत्व किया। इसके अलावा भूटान में इंडियन ट्रेनिंग टीम और नार्दर्न कमान और ईस्टर्न थिएटर में, गजराज कार्प्स में शानदार कामयाबी अर्जित की।

झलकियां

महीनेभर चलने वाले सप्त शक्ति कमान के अभ्यास एक्स. विजय प्रहार का समापन 09 मई 2018 को हुआ। इस अत्याधुनिक और विध्वंसकारी युद्धाभ्यास में 25 हजार से अधिक सैनिकों ने भाग लिया। इस युद्ध में सैनिकों ने अत्याधुनिक हेलिकाप्टर, ड्रोन और लड़ाकू विमानों के साथ युद्धाभ्यास किया। यह व्यापक पैमाने पर किया गया युद्धाभ्यास था।

दक्षिण सूडान के बेबुज़िन लिलीबोक काउंटी में 04 एवं 05 मई 2018 को आयोजित संयुक्त पशु सहायता शिविर में बड़ी संख्या में पशुओं की देखभाल की गयी। इस शिविर में घायल और बीमार 2061 पशुओं को चिकित्सा प्रदान की गयी जिसकी स्थानीय लोगों ने जमकर तारीफ की।

01 मई 2018 को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर सीमा रेखा पर तैनात सैनिकों ने एक भव्य समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन पूर्वी लद्दाख के सामने चीन के बीपीएम हट में संपन्न हुआ।

तीसरे यूनाइटेड पीसकीपिंग कोर्स फार अफ्रीकन पार्टनर के आरंभिक सत्र का आयोजन 07 से 25 मई 2018 तक नई दिल्ली के मानेकशा सेंटर में किया गया। इस सत्र का लक्ष्य यूनाइटेड नेशन के लिए काम करने वाली अफ्रीकी दल की सैन्य क्षमता को बढ़ाना था।

झलकियां

भारत और क्रिगिस्तान के सैनिकों के विशेष बल का पांचवां संयुक्त अभ्यास एक्स खंजर-5 का आयोजन 18 से 25 मार्च, 2018 के बीच संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य व्यक्तिगत क्षमता एवं आपसी सहयोग के साथ छोटे दल के कौशल का विकास तथा एक संयुक्त कमान पोस्ट के माध्यम से आतंकी आपरेशन पर अंकुश पाना था।

शिलांग में 10 माह के कड़े प्रशिक्षण के बाद 18 अप्रैल 2018 को प्रमाणिक परेड का आयोजन किया गया। असम रेजीमेंटल सेंटर के पर्सन्स परेड मैदान में आयोजित इस समारोह में 286 सैनिकों ने भारतीय सेना में शामिल होने के लिए शपथ ली।

भारतीय और मलयेशियाई सेना ने दो सप्ताह के हरिमाउ शक्ति 2018 अभ्यास में भाग लिया। यह अभ्यास क्वालालम्पुर के वार्डीबर्न शिविर में आयोजित किया गया। दोनों देशों की सेना द्वारा आयोजित इस अभ्यास का लक्ष्य आपसी सहयोग से कौशल तथा तकनीक का विकास तथा आतंकी घटनाओं पर नियंत्रण हासिल करना था।

उत्तर महाराष्ट्र और गुजरात सब एरिया का मुख्यालय 23 मार्च 2018 को नागपुर स्थानांतरित कर दिया गया। इस स्थानांतरण से ईएसएम कम्यूनिटी को समग्र रूप से लाभ मिलेगा क्योंकि यह मुख्यालय हमारे पूर्व सैनिकों की समस्याओं और सवालों का एक सूत्रीय समाधान करेगा।

सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, सी.ओ.ए.एस. ने 24 एवं 25 मई 2018 को मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए कश्मीर घाटी का दौरा किया। सेनाध्यक्ष ने मुख्यालय और उसकी शाखाओं का मुआयना किया। उन्होंने मैदान पर ही कमांडरों के साथ उनकी कार्यशैली पर जानकारी प्राप्त की।

आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी

भारतीय सेना का उद्देश्य अपने व्यक्तिगत व्यय के आधार पर सैनिकों के बच्चों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करना है। यह एक प्रयास है जिससे शिक्षा के क्षेत्र में नये सोपान की ओर आगे बढ़ना है। ऐसे कई उपयोगी कदम उठाए गए हैं जिससे हमारे सैनिकों के बच्चों को अकादमिक क्षेत्र के लिए तैयार किया जा सके। विशेष शिक्षा के जरूरतमंद बच्चों के लिए आवश्यक देखभाल और तालीम भी सुलभ करवाने की जिम्मेदारी भारतीय सेना ने ली है। आरसीआई द्वारा मान्यताप्राप्त कुशल शिक्षकों की भी व्यवस्था की गयी जिससे बच्चों को मेडिकल सहयोग व्यवस्था का लाभ मिले। यह सब सेना ने अपने दायरे में रहते हुए आंतरिक तौर पर किया। स्थानीय सैन्य अधिकारियों के माध्यम से आज सेना के 248 प्राइमरी स्कूल, 137 सेकेंडरी एवं सीनियर स्कूल और 12 पेशेवर कालेजों का प्रबंधन कर रही है। सेना के इस प्रयास से लगभग 2.6 लाख विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

आज सेना के पेशेवर कालेज विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट, कानून, होटल मैनेजमेंट, नर्सिंग एवं फैशन डिजाइनिंग में उच्च शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इस बात पर बल दिया जा रहा है कि विद्यार्थी जीवन कौशल, संपर्क कौशल, व्यक्तित्व विकास, खेलकूद और अन्य क्षेत्रों में संपूर्ण विकास हासिल कर सकें। इससे वे एक अच्छे इंसान बन सकें और अपने समाज में बेहतर प्रदर्शन करते हुए समर्थ राष्ट्र के निर्माण में सहयोग कर सकें। स्कूलों में बच्चों पर केंद्रीय ध्यान दिये जाने पर बल प्रदान करना है जिससे वे अपनी कक्षाओं में बेहतर शिक्षा हासिल कर सकें। इसके लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। इन कालेजों के बारे में पूरा विवरण नीचे दिया गया है।

आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ की स्थापना सन् 1999 में की गयी। यह पंजाबी यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध है तथा बार कौंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त है। इस संस्थान को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन कौंसिल (एनएएसी) से ए-ग्रेड की मान्यता मिली हुई है। यह पांच साल के एंटीग्रेटेड बीए, एलएलबी डिग्री कोर्स और एक साल का एलएलएम कोर्स चलाता है। इसमें दाखिला लेने के लिए 10+2 विद्यार्थियों को पटियाला स्थित पंजाबी यूनिवर्सिटी की एलईटी टेस्ट पास करना होता है। पंजाबी यूनिवर्सिटी के आदेशानुसार एआईएल इस टेस्ट का आयोजन होता है। एलएलएम और एलएलबी के लिए विद्यार्थियों को औसतन 55 प्रतिशत अंक हासिल करना आवश्यक है। सभी दाखिले मेरिट के आधार पर और पंजाबी यूनिवर्सिटी के मानकों पर आधारित हैं। यह संस्थान स्टेट ऑफ आर्ट सुविधाओं से युक्त है जिसमें प्रतिवर्ष 80 विद्यार्थी (सेना वर्ग से 60, पंजाब में रहने वाले नागरिक वर्ग से 16 तथा अखिल भारतीय सामान्य वर्ग से चार) प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। एलएलएम कोर्स के लिए 15 विद्यार्थियों का दाखिला होता है जिसमें से 12 सीटें सैनिकों के बच्चों के लिए होता है, दो सीट पंजाब में रहने वाले तथा एक सीट अखिल भारतीय सामान्य वर्ग के लिए होता है।

आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की स्थापना सन् 1997 में कोलकाता में हुई। एआईसीटीई से स्वीकृत यह संस्थान मौलाना अबुल कलाम आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलाजी से सम्बद्ध है। संस्थान को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन कौंसिल (एनएएसी) से बी-ग्रेड की मान्यता और आईएसओ से 'आईएसओ 9001: 2008' प्रमाणपत्र मिला हुआ है। प्रबंधन शिक्षा में गुणात्मकता प्रदान करने वाले संस्थानों में यह शुमार है जो दो साल का एमबीए कोर्स चलाता है। इसमें 120 विद्यार्थी प्रतिवर्ष प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इस कोर्स में प्रवेश पाने के लिए अभ्यर्थी को कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) पर आधारित अहर्ता प्राप्त करनी होगी। कैट परीक्षा का आयोजन आईआईएम करता है जिसमें क्वालीफाई करने के लिए ग्रुप डिस्कसन और इंटरव्यू की प्रक्रिया से गुजरना होता है। इस संस्थान से विद्यार्थियों को विभिन्न कंपनियों में सीधी नियुक्ति मिलने का शानदार रिकार्ड है।

आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग की स्थापना 2004 में हुई जिसे बेंगलुरू यूनिवर्सिटी से स्वीकृति मिली हुई है। इस संस्थान को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन परिषद् (एनएएसी) से बी-ग्रेड की मान्यता मिली हुई है। यह बी.एससी वालों के लिए फैशन और पोशाक डिजाइनिंग में तीन साल का कोर्स चलाता है। इसमें प्रतिवर्ष 60 विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं। एम. एससी करने वालों के लिए दो साल का कोर्स है जिसमें 20 सीट है (18 सेना और 2 सीट नागरिकों के लिए निर्धारित है)। बी. एससी. डिग्रीधारकों के लिए एडब्लयूईएस प्रतिवर्ष अप्रैल/मई में लिखित परीक्षा के माध्यम से दाखिला लेता है। एम.एससी. डिग्रीधारकों का प्रवेश (फैशन एवं पोशाक डिजाइनिंग) प्रतिवर्ष कैट परीक्षा के माध्यम से होता है जिसे हर साल जून माह में बेंगलुरू यूनिवर्सिटी आयोजित करता है।

आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी (एडब्लयूईएस) के सौजन्य से चलने वाले पेशेवर कॉलेज

आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग की स्थापना 2006 में हुई जो असम के श्रीमंत शंकरदेव यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज से सम्बद्ध है। इसे इंडियन नर्सिंग कौंसिल से मान्यता मिली हुई है। पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करने वाले इस कॉलेज में चार साल का बी.एससी. डिग्री कोर्स कराया जाता है। एम.एससी. के लिए (विशेषरूप से महिलाओं के लिए) चार श्रेणियों में दो साल का डिग्री कोर्स है। बी.एससी. कोर्स में कुल 50 सीट है जिसमें से 45 सेना के लिए और शेष पाँच उत्तर-पूर्व राज्य में रहने वाले लोगों के लिए निर्धारित है। एम.एससी. कोर्स के लिए कुल 20 सीट है जिसमें से सेना के लिए 18 और शेष 2 उत्तर-पूर्व राज्य में रहने वाले लोगों के लिए निर्धारित है। यह कॉलेज 151 बेस अस्पताल परिसर से सटा हुआ है। 10+2 परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थी बी.एससी. के लिए संयुक्त लिखित परीक्षा के माध्यम से दाखिला ले सकते हैं। बी.एससी में औसत 55 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले एम.एससी. नर्सिंग के लिए प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। एडब्लयूईएस प्रतिवर्ष अप्रैल से लेकर जून तक प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन करता है।

आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट की स्थापना 1996 में हुई जो बेंगलुरू यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध है। इसे एआईसीटीई से स्वीकृति मिली हुई है। इस संस्थान को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन कौंसिल (एनएएसी) से बी-ग्रेड की मान्यता मिली हुई है। यह संस्थान प्रतिवर्ष होटल मैनेजमेंट में 4 साल का स्नातक डिग्री कोर्स आयोजित करता है जिसमें लिखित परीक्षा के माध्यम से 60 विद्यार्थी प्रवेश हासिल कर सकते हैं। एडब्लयूईएस प्रतिवर्ष अप्रैल और मई माह में प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन करता है। इस कालेज का कैम्पस कोठानूर बेंगलुरू में 12 एकड़ में फैला हुआ है जिसके आधारभूत ढांचे की खूबसूरती के क्या कहने हैं। विद्यार्थियों के लिए इस सुंदर कैम्पस में रहकर पढ़ने और सीखने का आदर्श वातावरण है। यह संस्थान अतिथि सत्कार उद्योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण नाम बन गया है। यहां से डिग्री हासिल करने वालों के लिए सीधी नौकरी हासिल करने का शानदार रिकार्ड है।

आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज की स्थापना 2001 हुई जो वारंगल की केएनआर यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध है। इसे डेंटल कौंसिल ऑफ इंडिया से स्वीकृति मिला हुआ है। नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन परिषद (एनएएसी) से इस कॉलेज को ए-ग्रेड की मान्यता मिली हुई है। यहां से दंत चिकित्सा में चार साल का डिग्री कोर्स किया जा सकता है जिसके बाद विद्यार्थियों को एक साल की अनिवार्य इंटर्नशिप करनी होती है। इस कोर्स में 40 प्रवेशार्थियों की सीट है जिसमें से 34 सेना के लिए निर्धारित है। शेष 6 सीट आंध्र प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित है। यहां पर स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम की भी व्यवस्था है। पोस्थेडोन्टिक्स और क्राउन एंड ब्रिज, कज़रवेटिव डेंटिस्ट्री, आर्थोडोंटिक्स एंड ओरल/ मैसिलोफेसियल सर्जरी की पढ़ाई के लिए तीन-तीन सीट निर्धारित है। एनईइटी टेस्ट के परिणाम के आधार पर इस कॉलेज में दाखिला मिलता है।

पुणे स्थित आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी सावित्रीबाई फुले पूणे यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध है जो एआईसीटीई से स्वीकृत है। इस संस्थान को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन कौंसिल (एनएएसी) से ए-ग्रेड की मान्यता मिली हुई है। स्नातक स्तर के सभी पाठ्यक्रमों को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन इसे एआईसीटीई से स्वीकृति मिली हुई है। इसे शानदार प्रबंधन और प्रशासन के लिए आईएसओ 9001-2008 का प्रमाणपत्र दिया गया है। यह संस्थान चार साल के कंप्यूटर इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स का संचालन करती है जिसमें 120 प्रवेशार्थियों के लिए सीट है। यहां पर इलेक्ट्रानिक्स, टेली कम्यूनिकेशंस, इनफामेंशन टेक्नोलाजी और मैकेनिकल इंजीनियरिंग प्रत्येक में 60-60 सीट निर्धारित है। इस संस्थान में प्रतिवर्ष सभी श्रेणियों को मिलाकर कुल 300 बच्चों का दाखिला होता है। हर साल अप्रैल/मई में होने वाले जेईई मुख्य परीक्षा के आधार पर बनने वाले मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों को प्रवेश मिलता है। बुनियादी सुविधाओं का कलात्मक विकास रखने वाले इस संस्थान में पढ़ने वाले सभी लड़के और लड़कियों के लिए हास्टल की सुविधा है। इस संस्थान का प्लेसमेंट रिकार्ड कमाल का है।

आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन की स्थापना राजधानी दिल्ली में 2003 में की गयी। यह गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध है जिसे एनसीटीसी से स्वीकृति मिली हुई है। नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन कौंसिल (एनएएसी) से इस संस्थान को बी-ग्रेड की मान्यता मिली हुई है। इसे 'आईएसओ 2008:9001' का प्रमाणपत्र दिया गया है। यहां पर 100 विद्यार्थी दो साल के बी. एड. डिग्री कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। इसके लिए सोसाइटी प्रत्येक वर्ष अप्रैल/ मई माह में लिखित प्रवेश परीक्षा का आयोजन करती है। मेरिट के आधार पर प्रवेश पाने वाले लड़के और लड़कियों के रहने के लिए यहां पर अलग-अलग हास्टल की सुविधाएं प्रदान की गयी हैं।

आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी (एडब्लयूईएस) के सौजन्य से चलने वाले पेशेवर कॉलेज

आर्मी कॉलेज ऑफ नर्सिंग की स्थापना 2005 में हुई जो बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज से सम्बद्ध है। इसे इंडियन नर्सिंग कौंसिल से मान्यता मिली हुई है। इस कॉलेज को आईएसओ प्रमाणपत्र की मान्यता (आईएसओ 9001: 2015) प्रदान की गयी है। पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करने वाले इस कॉलेज में चार साल का बी.एससी. डिग्री कोर्स कराया जाता है। एम.एससी. के लिए (विशेषरूप से महिलाओं के लिए) चार श्रेणियों में दो साल का डिग्री कोर्स है। बी.एससी. कोर्स में कुल 60 सीट है। यह कॉलेज जालंधर छावनी में दीपनगर में स्थापित है जो बेहद खूबसूरत वातावरण से सुसज्जित है। इस कैम्पस के चारों ओर बहुत सुंदर दृश्य देखने को मिलते हैं। 10+2 परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थी बी.एससी. कोर्स के लिए संयुक्त लिखित परीक्षा के माध्यम से दाखिला ले सकते हैं। एडब्लयूईएस प्रतिवर्ष अप्रैल/मई माह में प्रवेश परीक्षा का आयोजन करता है।

आर्मी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज की स्थापना 2008 में हुई जो गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध और मेडिकल कौंसिल ऑफ इंडिया से स्वीकृत है। यह साढ़े चार साल के बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) की पढ़ाई के बाद एक साल का अनिवार्य इंटर्नशिप पाठ्यक्रम का परिचालन करने के बाद डिग्री प्रदान करता है। 10+2 परीक्षा के आधार पर एनईईटी परीक्षा पास करने वाले 100 विद्यार्थियों को मेरिट के आधार पर दाखिला मिलता है। यहां पर 82 सीट सेना और शेष 18 सीट अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ दिव्यांग बच्चों के लिए निर्धारित है। यह कालेज अपने नये इमारत में व्यवस्थित है जहां पर सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलाजी की शुरुआत 2004 में हुई जो दिल्ली के गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध है। इसे एआईसीटीई से स्वीकृति प्राप्त है। नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन कौंसिल (एनएएसी) से इस संस्थान को बी-ग्रेड की मान्यता मिली हुई है। यहां पर दो साल के एमबीए डिग्री कोर्स का परिचालन होता है जिसमें 120 विद्यार्थियों के लिए सीट है। आईआईएम द्वारा आयोजित कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट/ मैट/ सी-मैट/ एक्समैट) के आधार पर मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को ग्रुप डिस्कशन और साक्षात्कार के बाद इस कॉलेज में प्रवेश मिलता है। बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं से युक्त नई इमारत में यह संस्थान व्यवस्थित है जहां सभी आधुनिक सुविधाएं सुलभ हैं। इस संस्थान से पास होने वाले ग्रेजुएट का प्लेसमेंट रिकार्ड बेहतरीन कहा जा सकता है।

आर्मी लॉ कॉलेज की स्थापना इसी अकादमिक वर्ष में पुणे के कान्हे में की गयी है। आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी के माध्यम से 2018-2019 में शुरू हुए इस संस्थान की कमान सदर्न कमांड मुख्यालय के पास है। यह कॉलेज पांच साल के बीबीए, एलएलबी डिग्री कोर्स का संचालन कर रहा है। पुणे यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध इस कालेज में 60 विद्यार्थी दाखिला ले सकते हैं। अप्रैल माह में होने वाले संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश सुनिश्चित होता है। बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं से युक्त नई इमारत में यह संस्थान कार्यरत है जहां विद्यार्थियों के लिए सभी आधुनिक सुविधाएं सुलभ हैं।

पूर्व सैनिकों की डायरी

सम्मान-सुविधा-स्वास्थ्य-सहूलियत

सांबा ब्रिगेड ने 24 अप्रैल 2018 को एक अनोखी बेकरी की शुरुआत की जिससे सांबा जिले में रहने वाली सैनिकों की विधवाओं को आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलेगी। असीम फाउंडेशन नामक एनजीओ ने युद्ध में वीरगति पाने वाली विधवाओं को सेव और अखरोट की कुकीज तैयार करने का प्रशिक्षण दिया है। इन उत्पादों की बिक्री से होने वाली आय इन महिलाओं में वितरित होगी जिससे वे बेहतर जीवन यापन कर सकेंगी।

पश्चिम बंगाल के कलिम्पांग जिले में भारतीय सेना के ब्लैक डिवीजन द्वारा 18 मार्च 2018 को पूर्व सैनिकों की एक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में 500 से अधिक पूर्व सैनिक और उनके परिवारजनों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन में भाग लेने वालों के लिए मेडिकल कैम्प, आधार कार्ड के लिए रजिस्ट्रेशन, पूर्व सैनिकों के लिए स्वास्थ्य योजना और सैनिक कैंटीन से आवश्यक सामानों की व्यवस्था की गयी।

25 मई 2018 को दाओ डिव ने डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी में पूर्व सैनिकों की एक रैली का आयोजन किया। डिब्रूगढ़ में आयोजित इस रैली में एक हजार से अधिक वेटरन सैनिक और वीर नारियों ने भाग लिया। इस आयोजन में भाग लेने वालों को सेना और सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गयी।

थलसेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत ने 'एक्रास द बेंच' नामक पुस्तक का लोकार्पण किया। अवकाश प्राप्त लेफ्टिनेंट जनरल ज्ञान भूषण द्वारा लिखित इस पुस्तक में भारतीय सेना के अंदर न्याय व्यवस्था का विवरण है। इस पुस्तक में बताया गया है कि भारतीय सेना अपनी न्यायिक व्यवस्था और तौर-तरीकों का किस प्रकार पालन करती है।

पिथौरागढ़ के बेरीनाग में 22 अप्रैल 2018 को पूर्व सैनिकों की रैली और मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इसमें 2470 पूर्व सैनिक, वीर नारी, गैलेंट्री एवार्ड विजेता तथा उनके परिजनों ने भाग लिया। गरुड़ डिवीजन के जनरल आफिसर ने इस अवसर पर 11 वीर नारी, तीन गौरव सेनानी, नौ पूर्व सैनिकों और चार दिव्यांग सैनिकों को सम्मानित किया।

जम्मू और कश्मीर डायरी

भिम्बर गेली ब्रिगेड ने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में सेना की मदद के दौरान अपने प्राण गंवाने वाले छः नागरिकों की याद में 26 अप्रैल 2018 को मेंधर में 'शहीदी दिवस' का आयोजन किया। इस अवसर पर भारतीय सेना ने 23 से 25 अप्रैल 2018 के बीच वॉलीबाल प्रतियोगिता, स्वास्थ्य शिविर लगाया और कॅरियर सलाह प्रदान की।

भारतीय सेना ने बारामूला मिलिटरी स्टेशन में 29 अप्रैल 2018 को पूर्व सैनिकों के लिए एक रैली का आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिकों को स्वास्थ्य की देखभाल संबंधी सलाह देना और शिविर में इलाज करना था। उन्हें स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न योजनाओं के बारे में सभी जानकारी से अवगत कराया गया जिससे वे अवकाश प्राप्त करने के बाद भी स्वस्थ जीवन जी सकें।

कठुआ जिले के निल्चा स्थित गवर्मेंट हाई स्कूल में राइजिंग स्टार गनर्स ने एक वॉलीबाल कोर्ट का निर्माण किया। खेलकूद की भावना को बढ़ाने और खेलों में प्रतिभा को प्रेरित करने के लिए 07 मई 2018 को जम्मू-कश्मीर में इस कोर्ट का निर्माण किया गया।

व्हाइट नाइट कार्प्स की आर.वी. ब्रांच ने 16 मई 2018 को एक पॉकेट गाइड पुस्तिका का संकलन एवं विमोचन किया। कंपेडियम ऑफ पॉलिसीज, एडवाइजरीज, एसओपीज एंड ट्रेनिंग डिरेक्टिव्स आन आर वी मैटर्स, पॉकेट गाइड फार नर्सिंग असिस्टेंट वेटरनरी पॉकेट गाइड रूप में उपलब्ध हैं।

श्रीनगर में जेकलाई रेजीमेंट सेंटर के रनग्रेथ स्थित एनसीसी ग्रुप द्वारा 02 से 13 मई 2018 के बीच 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' नामक कैंप का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य गुजरात और जम्मू-कश्मीर के एनसीसी कैडेटों के बीच राष्ट्रीय एकता और भाईचारा को बढ़ावा देना था।

रीसेटलमेंट जोन (नार्थ) निदेशालय द्वारा लद्दाख क्षेत्र में 21 से 26 मई 2018 तक रीसेटलमेंट एवं डीजीआर योजनाओं पर आधारित एक प्रमुख जागरुकता अभियान चलाया गया। रीसेटलमेंट जोन (नार्थ) निदेशक ने छः दिनों के अंदर 1200 किलोमीटर के क्षेत्र का दौरा कर लोगों को इस संबंध में आवश्यक जानकारी दी गयी।

उत्तर-पूर्व डायरी

ब्लेजिंग स्वार्ड डिवीजन ने 15 अप्रैल 2018 को अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में एक मेडिकल कैंप लगाया। यह स्थान दामतेंग गांव में है जो दस हजार फुट की ऊंचाई पर है। इस मेडिकल कैंप में बड़ी संख्या में बच्चे तथा महिलाएं शामिल हुई।

असम राइफल की एक शाखा ने 5 किलोवाट का सोलर पॉवर प्लांट लगाकर मणिपुर के सुदूर क्षेत्र में स्थित एक गांव को देश को आजादी मिलने के बाद पहली बार बिजली के प्रकाश से रोशन कर दिया। 23 अप्रैल को चालू हुए इस प्लांट के बाद चंदेल जिले के सेहलान गांव के सभी 26 घरों में बिजली पहुंचायी।

05 मई 2018 को आर्मी ट्रेनिंग सेंटर की 45 महिला प्रशिक्षुओं के दूसरे दल ने तेजपुर, असम में सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत आजीविका और कौशल विकास दिवस के अंतर्गत महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

भारतीय सेना ने मणिपुर के चूड़ाचंद्रपुर जिले के गंगपिमुअल गांव में मोबाइल वैन के माध्यम (Mobile Terminal for Rural Area, MITRA) से जागरुक एवं रजिस्ट्रेशन कैंप आयोजित किया। इस कैम्प में ग्रामीण युवाओं को कॅरियर संबंधी सलाहकारों के माध्यम से आवश्यक परामर्श दिया गया जिससे वे विभिन्न सरकारी तथा अन्य रोजगार संबंधी योजनाओं के माध्यम से अपना जीवनयापन बेहतर बना सकें। भारतीय सेना मणिपुर के चूड़ाचंद्रपुर जिले में अगले अक्टूबर में एक भर्ती रैली भी आयोजित करेगी।

बाल ऑफ फायर डिवीजन ने बच्चों के लिए तेंगा घाटी के रेस्ट एंड रीकूप सेंटर में ग्रीष्मकालीन एडवेंचर कैंप का आयोजन किया। 15 से 19 मई 2018 के बीच आयोजित पांच दिवसीय कैंप का मुख्य लक्ष्य जोखिमभरे कार्य के लिए बच्चों का व्यक्तित्व बनाना है।

भारतीय सेना की रेड हार्न्स एंड त्रिनेत्र डिवीजन ने असम और नगालैंड में मेडिकल कैंप का आयोजन किया। कोहिमा जिले के चिरांग तथा नगालैंड के कोहिमा में 25 मई 2018 को लगे कैंप का बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया।

खेलकूद एवं साहसिक कारनामा

भारतीय सेना में साहसिक कार्य जीने का एक अंदाज है

राइफलमैन शंकर मान थापा ने 27 मार्च 2018 को पुरुष वर्ग में 10 किलोमीटर (34:01.64 मिनट) की रेस में रजत पदक हासिल किया। उन्होंने यह कारनामा भूटान के थिम्पू में आयोजित साउथ एशिया क्रास कंट्री चैंपियनशिप-2018 में अंजाम दिया।

इंडो-बांग्लादेश आर्मी के संयुक्त साइकिल अभियान का दूसरा चरण शुरू हुआ। 26 मार्च 2018 को बांग्लादेश में सेना के रंगपुर डिवीजन के जनरल कमांडिंग मेजर जनरल मोहम्मद माशूक रज्जाक ने अभियान को हरी झंडी दिखाई।

जाट रेजीमेंट के लांस नायक देश दीपक ने अपनी पीठ पर 40 पौंड का भार रखकर 55 नकल पुश अप (डंड) करते हुए नया गिनिस वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। 02 अप्रैल 2018 को बनाये इस रिकार्ड में दीपक ने एक मिनट तक अपना एक पैर जमीन से उठाये रखा था।

आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट ने भारतीय तीरंदाजी महासंघ के सौजन्य से 05 से 12 अप्रैल 2018 तक सीनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों और तीरंदाजी संघ से सम्बद्ध ईकाइयों की 38 महिला एवं पुरुष वर्ग की टीमों ने भाग लिया।

पुणे स्थित मिलिटरी इंजीनियरिंग कॉलेज ने 13 अप्रैल 2018 को मुम्बई से मिनीकॉय और वापसी के ओसियन सेलिंग एक्सपिडिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस अभियान दल में शामिल 18 अधिकारी, तीन जेसीओ एवं 14 अन्य रैंकधारियों ने 1800 नॉटिकल माइल्स की दूरी तय की।

भारतीय सेना ने 07 मई 2018 को हैदराबाद पोलो एंड राइडिंग क्लब को हराकर आर्मी कमांडर पोलो कप-2018 जीत लिया। सिकन्दराबाद के बिशन पोलो मैदान में संपन्न इस फाइनल मैच में भारतीय सेना ने अपनी विपक्षी टीम को 07-03 से पराजित किया।

सैन्य समारोह

'एक-एक से दो गुना' इंजीनियरिंग रेजीमेंट ने 04 अप्रैल 2018 को 52वां रेजिंग डे समारोह मनाया।

स्कूल ऑफ आर्टिलरी ने 15 अप्रैल 2018 को स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया।

राइजिंग स्टार कार्प्स ने 27 अप्रैल 2018 को 14वां रेजिंग डे मनाया।

ईएमई स्कूल वडोदरा ने 15 अप्रैल 2018 को 55वें रेजिंग डे का आयोजन किया।

भारतीय सेना के सूर्या कमांन ने 01 मई 2018 को 55वां रेजिंग डे का आयोजन किया।

आर्मर्ड कार्प्स ने 01 मई 2018 को 80वां आर्मर डे मनाया।

काउंटर इनसर्जेंसी एंड जंगल ट्रेनिंग स्कूल ने 01 मई 2018 को 49वां रेजिंग डे मनाया।

भारतीय सेना की त्रिशक्ति कमान ने 10 मई 2018 को 68वां रेजिंग डे समारोह का आयोजन किया।

भारतीय सेना और यशवंतराव चौहान महाराष्ट्र ओपन यूनिवर्सिटी ने सैनिकों की अकादमिक उन्नति में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नासिक रोड स्थित आर्टिलरी सेंटर को नोडल स्टडी सेंटर बनाने के लिए एक MoU समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

कार्यक्रम संरचना और शुल्क

गैर बारहवीं पास के लिए तैयारी कार्यक्रम	बारहवीं पास व्यक्तियों के लिए 3 साल के आर्ट एवं कामर्स में स्नातक डिग्री कार्यक्रम	ज्ञानदीप योजना के तहत इग्नू के असोसिएट डिग्रीधारक यशवंतराव चौहान महाराष्ट्र ओपन यूनिवर्सिटी से सीधा आवेदन कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम विवरण

कार्यक्रम		पाठ्यक्रम
तैयारी		गणित के सभी भाषा कौशल के लिए, स्टडी स्किल्स (3 प्रश्न पत्र)
बी.ए.	प्रथम वर्ष	फाउंडेशन कोर्स में सेल्फ स्टडी स्किल्स (1 प्रश्न पत्र)
	द्वितीय वर्ष	सोशल चेंज एंड सोशल मूवमेंट्स एंड इकनामिक्स फॉर आल (2 प्रश्न पत्र)
	तृतीय वर्ष	आई एंड माई बिहैवियर, ऑवर राइट्स एंड देयर फुलफिलमेंट एंड आईसीटी लिटरेसी एंड साफ्ट स्किल्स (3 प्रश्न पत्र)
बी.कम.	प्रथम वर्ष	फाउंडेशन कोर्स इन सेल्फ स्टडी स्किल्स (1 प्रश्न पत्र)
	द्वितीय वर्ष	बेसिक्स ऑफ एकाउंटेंसी एंड फंडामेंटल्स ऑफ मैनेजमेंट (2 प्रश्न पत्र)
	तृतीय वर्ष	एचआर मैनेजमेंट, बैंकिंग एंड फाइनेंस एंड आईसीटी लिटरेसी एंड साफ्ट स्किल्स (3 प्रश्न पत्र)

रजिस्ट्रेशनः रजिस्ट्रेशन फार्म ycmou.digitaluniversity.au से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

आवेदन दाखिलः सभी तरह से भरे हुए रजिस्ट्रेशन फार्म 'फाइनेंस आफिसर, वाईसीएमओयू' नासिक के पक्ष में देय मांगपत्र ड्राफ्ट के साथ नासिक रोड कैंप के आर्टिलरी सेंटर को भेजे जा सकते हैं।

क्रेडिट प्वाइंट्स/ छूट वाले पाठ्यक्रमः सभी 18 कोर्स के कुल 108 प्वाइंट्स में से सेना के पाठ्यक्रम के अनुरूप 12 कोर्स पर छूट है। आर्मी पाठ्यक्रम की सूची आर्मी इंटरनेट http://132.129.140.50 पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित फोन 6040 (सेना), 02532419110 (सामान्य) या ईमेल dd-ignouanrc09@gmail.com पर संपर्क करें।

SALASAR IMAGING SYSTEMS # 9811092771